>

Title : Need to intensify patrolling and strengthen vigilance around

Tiger Reserves in the country.

श्री गोपाल सिंह शेखावत (राजसमंद) : उत्तर में अरावली और दक्षिण में सतपुड़ा की पहाड़ियों उत्तर-पूर्व में छोटा नागपुर के पठार और दक्षिण-पूर्व में ओड़िसा की पहाड़ियों से घिरे मध्य भारत के इस प्राकृतिक भू-भाग में करीब 39.017 वर्ग किलोमीटर में फैला बाघ अधिगृहीत सबसे बड़ा जंगल है, बल्कि यहां सबसे ज्यादा बाघों की आबादी है । देश में बाघ संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों के तहत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण का गठन सरकार द्वारा किया गया तथा वर्ष 2008-09 के दौरान कार्बेट, रणथम्भौर और दुधवा बाघ रिजर्व के लिए प्रत्येक को 93 लाख रूपये जारी किए गए । इसके साथ ही राजस्थान के दर्राह, जवाहर सागर और चंबल वन्य जीव अभ्यारण्य को नए बाघ रिजर्व के सृजन हेतु अनुमोदन प्राप्त हो गया है । बाघ संरक्षण हेतु मेरा सरकार से अनुरोध है कि बाघ रिजर्वों का मूल्यांकन करके तथा निगरानी तंत्र को और सुदृढ़ करके भारत की इस दुर्लभ वन्य प्रजाति को बचाया जाए ।